राष्ट्रीय जनजाति आयोग अध्यक्ष आर्य ने कहा बच्चों को पढ़ाओ लिखाओ वन भी बचाओ

'अतिक्रमण के पक्ष में मैं नहीं, समाजजन आंगन में रोपें एक पौधा'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नेपानगर. राष्ट्रीय जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतरसिंह आर्य सोमवार को नेपानगर आए तो समझा जा रहा था कि पट्टा वितरण की कोई बात होगी, लेकिन उन्होंने जो कुछ कहा उससे अतिक्रमणकारियों के हौसले पस्त हो गए। दरअसल आयोग अध्यक्ष ने अपील की कि वह अपने बच्चों को पढ़ाएं, लिखाएं और वन को बचाए। जंगल बचाओ समिति आयोग अध्यक्ष को नेपा रेस्ट हाउस में ज्ञापन सौंपने पहुंची थी। इस दौरान आयोग अध्यक्ष ने खुलकर कहा कि सरकार को जो देना था वह दे चुकी। अब वन बचाना न सिर्फ मेरी नहीं बल्कि आमजन की भी जिम्मेदारी है। इसके बाद उन्होंने नेहरू स्टेडियम ग्राउंड पर समाजजन से जन संवाद किया और यही बात कही।

समाजजन को संकल्प भी दिलाया गया

आयोग अध्यक्ष अंतरसिंह आर्य ने कहा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत एक पौधा अवश्य लगाएं। विधायक मंजू दादू ने पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा वनों का संरक्षण हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। आयोग नई दिल्ली उपसंचालक आरके दुबे ने राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की स्थापना, कार्यप्रणाली, उद्देश्य और महत्व के बारे में बताया। स्व सहायता समूह की महिलाओं ने उन्हें केले के रेशे से निर्मित घड़ी, कैप, फ्लॉवर पोट, पेन होल्डर सहित अन्य उत्पाद भेंट किए। इस अवसर पर कलेक्टर भव्या मित्तल, पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार, डीएफओ विजय सिंह, अपर कलेक्टर वीरसिंह चौहान, एसडीएम नेपानगर भागीरथ वाखला विधायक मंजू दादू, जिला पंचायत अध्यक्ष गंगाराम मार्को सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण भी उपस्थित रहे।

समाजजनों के बीच पहुंच सुनी समस्या।

इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश पर किया सम्मानित

आकांक्षा योजना के तहत जीएसआइटीएस कॉलेज इंदौर में प्रवेश होने पर बड़गांवमाफी निवासी आरती के माता पिता को सम्मानित भी किया गया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सर्किट हाउस में पौधरोपण किया।

कोई समस्या हो तो दिल्ली आएं

आयोग अध्यक्ष ने कहा अगर कोई समस्या है तो दिल्ली आएं। नवाड़ निकालने वाले लोगों से कह दे कि ऐसा काम न करें, सभी अपने अपने आंगन में एक पौधा जरूर लगाएं ताकि क्षेत्र में आनंदित माहौल नजर आए। उन्होंने जनसमस्या निवारण शिविर में समस्याओं को सुना। निराकरण का आश्वासन दिया। आर्य ने जनजातीय बोली में कहा अजा आयोग आपके हितों की रक्षा, समस्याओं को दूर करने के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने मंच से उतरकर लोगों से चर्चा की। आवेदन भी लिए।

सभा को संबोधित करते अध्यक्ष आर्य।